ॐ गंग गणपतये नमः

Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

Call: 08674827268

Kiara ID: 8001312 Date: 19/04/2020 Validity : 3 Months Only

नाम: Yash Chauhan	जन्म तिथि: 26/05/2001	जन्म समय: 8:06 PM
जन्म स्थान: Agra (UP)	मांगलिक योग: NO	इष्ट देव: Guru Dev

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Mangal (व)	40%	Shukra (उच्च)	30%
2.	Guru	20%	Chandra	10%
3.	Surya	50%	Budh	25%
4.	Shani (अस्त)	25%	Rahu (व)	75%
5.	Ketu (उच्च)	75%		
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA, मंगल, गुरु, Surya Dev का बल कम है इसलिए इन ग्रहों के रत्न धारण करें जीवन भर के लिए! तभी ग्रह अच्छा result देंगे।

3. कुण्डली दोष: चन्द्र ग्रहण योग, अंगारक योग, सूर्य ग्रहण योग, चाण्डाल दोष।

4. शुभ दिन: Tuesday, Thursday, Sunday।

5. शुभ रंग: लाल, पीला, भगवा, काला | अशुभ:- (हरा, नीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पुखराज	6+	Right	Index	सोने, पीतल में Thursday को 8:15 AM पर धारण करें! (शुक्ल पक्ष में)
2. माणिक	6+	Right	Ring	सोने, पीतल, में Sunday को 8:15 AM पर
3. मूंगा	9+	Left	Ring	सोने, पीतल में Tuesday को 8:15 AM पर धारण करें।

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

ओपल, हीरा, मोती, पन्ना, गोमेद आदि रत्न वर्जित हैं।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. **रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु)** ✓ X : मंगल देव : मूँगा धारण करने से शरीर में रोग की सम्भावना कम होगी।

9. **रोग – विश्लेषण:** (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग, हृदय रोग, आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया, फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

Scanned with CamScanner

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।
शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।
राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।
केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : शुक्र, राहु, चन्द्र, बुध का दान व उपाय करने से रोग में कमी आएगी!

Comments:

गुस्सा अधिक आता है। भड़कीला स्वभाव, पिता से वैचारिक मतभेद तथा मानसिक तनाव एवं health में समस्या रहेगी!
हर समय कुछ ना कुछ health Problems रहेंगे!

एक से अधिक Affairs का योग है। तथा love Marriage 99% होगी!

Girls की तरफ ध्यान अधिक जाएगा, पढाई में कम मन लगेगा, तथा पढाई से related Exams, results अच्छे नहीं रहेंगे।
पुखराज धारण करने से पढाई की तरफ ध्यान रहेगा!

शुक्र देव का दान व उपाय करने से लड़कियों की तरफ से ध्यान हटेगा!

मूँगा, पुखराज तथा माणिक धारण करने से पढाई के लिए अच्छा रहेगा, Career growth etc। नहीं धारण करने से समस्याएं ज्यादा बढेंगी।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

शनि की महादशा : 25/06/2008 to 06/06/2027 : सामान्य दशा

शनि/चन्द्र :– 30/05/2019 to 28/12/2020 : खराब दशा (20%)

↳ समस्याएं रहेंगी, पिता जी के साथ मतभेद हो सकते हैं। परिवार में समस्या रहेगी, मन अशान्त रहेगा, फिजूल की activities की तरफ ज्यादा ध्यान जाएगा। health समस्या, मानसिक तनाव, depression में भी जा सकता है After 02.05.2020 से 22.12.20.

[चन्द्र के दान व उपाय अवश्य करें]

25/08/2020 to 29/11/2020 :– खराब समय (50%)

↳ girls की तरफ ज्यादा ध्यान रहेगा।

↳ Love life start होगी जिसके कारण पढ़ाई में नुकसान होगा। शुक्र का दान हर शुक्रवार को अवश्य दान करना है। तथा पुखराज धारण करें।

शुक्र, बुध, राहु, चन्द्र के दान व उपाय करने से रोग दूर होंगे तथा rest problems भी समाप्त/कम होंगी।

दान बच्चे के हाथ से अवश्य कराएं तभी situations ठीक होंगी एवं रत्न धारण करें।

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ऊँ सूर्याय नम:)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ सों सोमाय नम:)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ भुं भौमाय नम: अथवा ऊँ अं अंगारकाय नम:)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ऊँ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ बृं बृहस्पतये नम:)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6 ।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो ॥

ॐ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011312 Date: 19/04/2020

Yash Chauhan

26 May 2001 08:06 PM

Agra

Yash Chauhan

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011312 Date: 19/04/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **26/05/2001**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	: **20:06:00 ांटे**
इष्ट	: 36:41:23 घटी
स्थान	: **Agra**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 27:09:00 उत्तर
रेखांश	: 78:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 19:48:00 घंटे
वेलान्तर	: 00:03:00 घंटे
साम्पातिक काल	: 12:04:56 घंटे
सूर्योदय	: 05:25:26 घंटे
सूर्यास्त	: 19:04:53 घंटे
दिनमान	: 13:39:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 11:31:53 वृष
लग्न के अंश	: 25:40:58 वृश्चिक

चैत्रादि संवत / शक	: 2058 / 1923
मास	: ज्येष्ठ
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 4
तिथि समाप्ति काल	: 23:52:46
जन्म तिथि	: 4
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: आर्द्रा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 07:36:44 घंटे
जन्म नक्षत्र	: पुनर्वसु
सूर्योदय कालीन योग	: शूल
योग समाप्ति काल	: 05:59:10 घंटे
जन्म योग	: गण्ड
सूर्योदय कालीन करण	: वणिज
करण समाप्ति काल	: 13:04:38 घंटे
जन्म करण	: विष्टि
भयात	: 31:13:09
भभोग	: 55:58:59
भोग्य दशा काल	: गुरु 7 वर्ष 0 मा 30 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: वृश्चिक – मंगल
राशि–स्वामी	: **मिथुन – बुध**
नक्षत्र–चरण	: **पुनर्वसु – 3**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: गण्ड
करण	: विष्टि
गण	: देव
योनि	: मार्जार
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मेष
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: हा–हरीश
पाया(राशि–नक्षत्र)	: लौह – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन

ात चक्र	
मास	: आषाढ़
तिथि	: 2-7-12
दिन	: सोमवार
नक्षत्र	: स्वाति
योग	: परिघ
करण	: कौलव
प्रहर	: 3
वर्ग	: श्वान
लग्न	: कर्क
सूर्य	: मीन
चन्द्र	: कुम्भ
मंगल	: मेष
बुध	: मकर
गुरु	: वृष
शुक्र	: मिथुन
शनि	: कुम्भ
राहु	: कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	25:40:58	319:04:46	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	———
सूर्य			वृष	11:31:53	00:57:38	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	27:25:53	14:17:39	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल	व		धनु	03:46:10	00:11:12	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध			मिथु	03:14:17	00:39:29	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु			वृष	25:17:33	00:13:41	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	26:22:55	00:50:58	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि		अ	वृष	10:37:46	00:07:46	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
राहु			मिथु	12:43:43	00:01:03	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु			धनु	12:43:43	00:01:03	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:57:44	00:00:09	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	———
नेप	व		मक	14:50:25	00:00:30	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	———
प्लूटो	व		वृश्चि	20:17:18	00:01:36	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	———
दशम भाव			कन्या	07:28:09	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	केतु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:18

लग्न–चलित

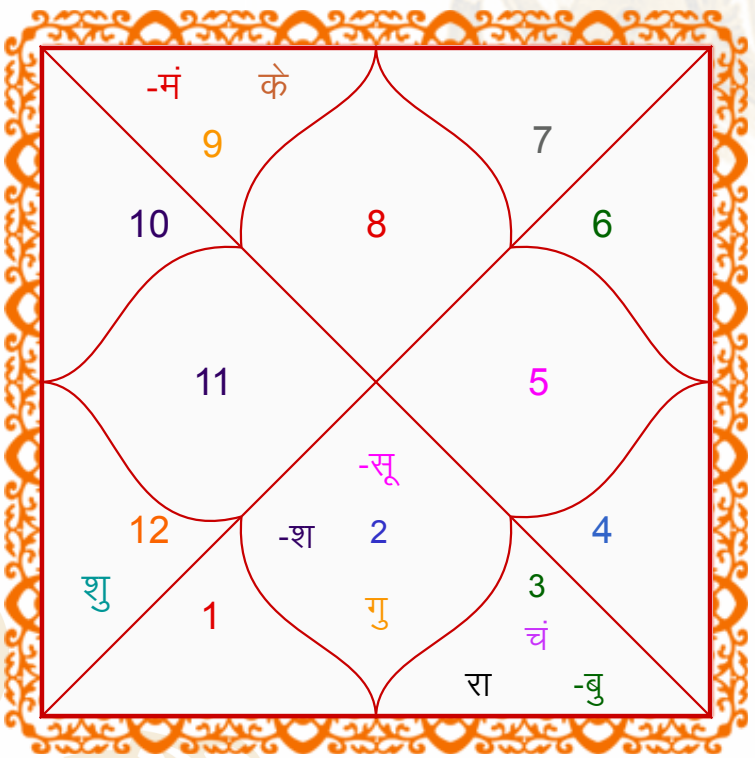

चन्द्र कुंडली

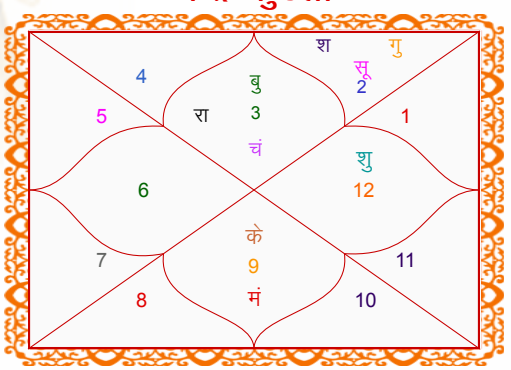

नवमांश कुंडली

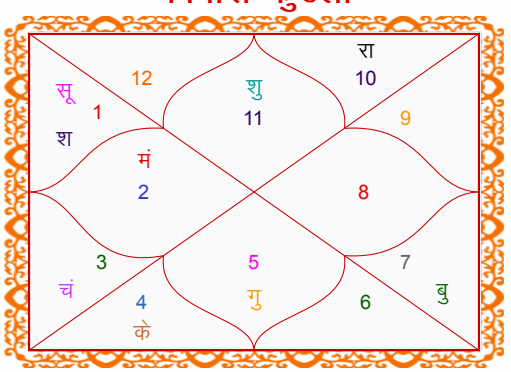

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	49	42	42	26	47	60	7
सप्तवर्गज बल	84	94	79	141	71	113	129
ओजयुग्मक बल	15	0	15	30	15	15	15
केन्द्र बल	60	30	30	30	60	30	60
द्रेष्काण बल	0	15	15	0	0	15	15
कुल स्थान बल	209	181	181	227	193	232	226
कुल दिग्बल	21	23	31	3	0	54	55
नतोन्नत बल	21	39	39	60	21	21	39
पक्ष बल	45	89	45	45	15	15	45
त्रिभाग बल	0	60	0	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	0	0	15
मास बल	0	0	0	0	0	0	30
वार बल	0	0	0	0	0	0	45
होरा बल	0	0	0	0	0	0	60
अयन बल	115	2	0	60	59	40	3
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	180	191	84	165	156	76	237
कुल चेष्टाबल	0	0	53	41	5	20	0
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-2	-5	-22	-9	-7	-17	-2
कुल षट्बल	468	441	344	451	381	409	525
रूप षट्बल	7.8	7.4	5.7	7.5	6.3	6.8	8.8
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.6	1.2	1.1	1.1	1.0	1.2	1.8
संबंधित पद	2	4	5	6	7	3	1

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	50.63	25.31	47.28	32.60	14.90	34.82	0.23
कष्ट फल	9.28	28.48	10.99	25.55	27.04	2.86	56.45

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	344	381	525	381	344	344	409	451	468	451	409	409
भावदिग्बल	0	20	40	60	10	20	30	10	50	30	40	50
भावदृष्टि बल	85	60	62	-11	-14	-1	-7	-3	2	62	81	-2
कुल भाव बल	430	461	627	429	340	364	431	458	520	543	530	456
रूप भाव बल	7.2	7.7	10.5	7.2	5.7	6.1	7.2	7.6	8.7	9.0	8.8	7.6
संबंधित पद	9	5	1	10	12	11	8	6	4	2	3	7

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

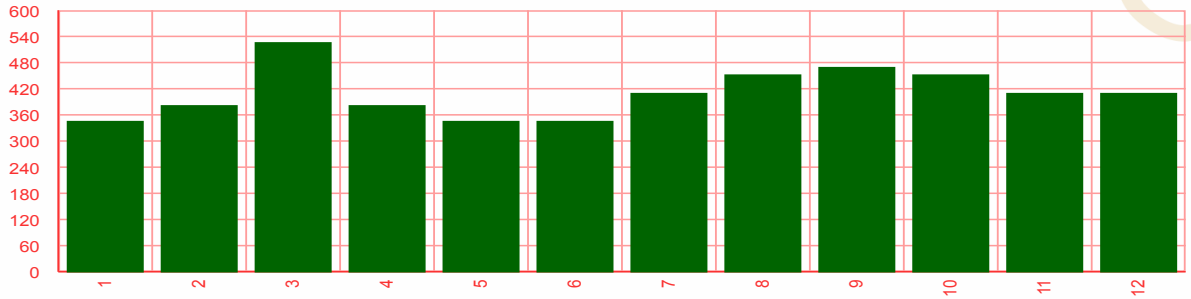

भावदिग्बल

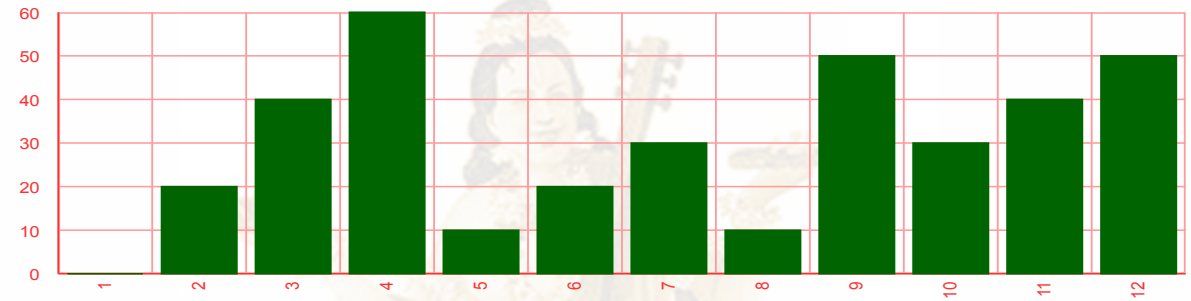

भावदृष्टि बल

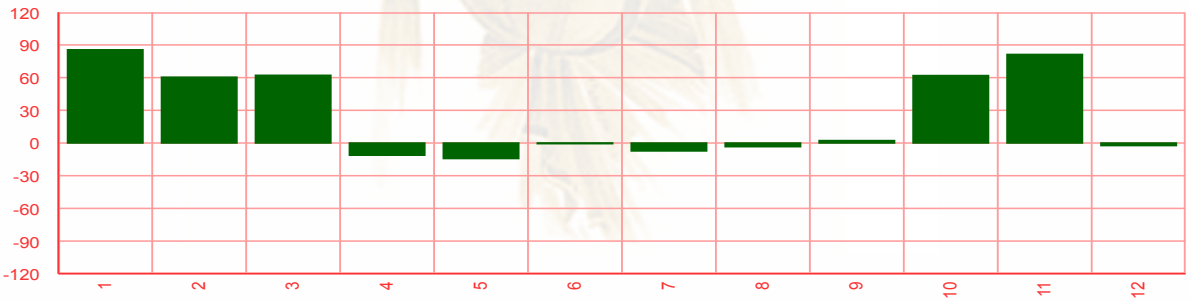

भाव बल

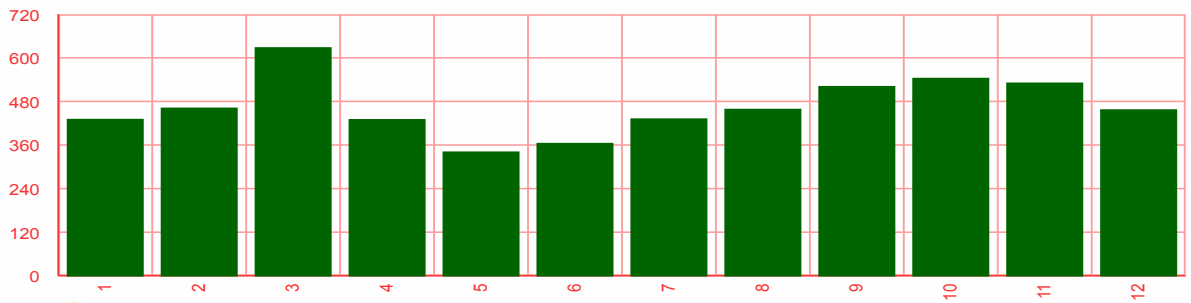

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 7 वर्ष 0 मास 30 दिन

गुरु 16 वर्ष	
26/05/2001	
25/06/2008	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	26/05/2001
शुक्र	07/01/2003
सूर्य	26/10/2003
चंद्र	24/02/2005
मंगल	31/01/2006
राहु	25/06/2008

शनि 19 वर्ष	
25/06/2008	
26/06/2027	
शनि	29/06/2011
बुध	08/03/2014
केतु	17/04/2015
शुक्र	17/06/2018
सूर्य	30/05/2019
चंद्र	28/12/2020
मंगल	06/02/2022
राहु	13/12/2024
गुरु	26/06/2027

बुध 17 वर्ष	
26/06/2027	
25/06/2044	
बुध	22/11/2029
केतु	19/11/2030
शुक्र	19/09/2033
सूर्य	26/07/2034
चंद्र	26/12/2035
मंगल	22/12/2036
राहु	11/07/2039
गुरु	16/10/2041
शनि	25/06/2044

केतु 7 वर्ष	
25/06/2044	
26/06/2051	
केतु	21/11/2044
शुक्र	21/01/2046
सूर्य	29/05/2046
चंद्र	28/12/2046
मंगल	27/05/2047
राहु	13/06/2048
गुरु	20/05/2049
शनि	29/06/2050
बुध	26/06/2051

शुक्र 20 वर्ष	
26/06/2051	
26/06/2071	
शुक्र	25/10/2054
सूर्य	26/10/2055
चंद्र	25/06/2057
मंगल	26/08/2058
राहु	25/08/2061
गुरु	25/04/2064
शनि	26/06/2067
बुध	26/04/2070
केतु	26/06/2071

सूर्य 6 वर्ष	
26/06/2071	
25/06/2077	
सूर्य	14/10/2071
चंद्र	13/04/2072
मंगल	19/08/2072
राहु	14/07/2073
गुरु	02/05/2074
शनि	14/04/2075
बुध	18/02/2076
केतु	25/06/2076
शुक्र	25/06/2077

चंद्र 10 वर्ष	
25/06/2077	
26/06/2087	
चंद्र	26/04/2078
मंगल	25/11/2078
राहु	26/05/2080
गुरु	25/09/2081
शनि	26/04/2083
बुध	25/09/2084
केतु	26/04/2085
शुक्र	25/12/2086
सूर्य	26/06/2087

मंगल 7 वर्ष	
26/06/2087	
26/06/2094	
मंगल	22/11/2087
राहु	10/12/2088
गुरु	16/11/2089
शनि	25/12/2090
बुध	23/12/2091
केतु	20/05/2092
शुक्र	20/07/2093
सूर्य	25/11/2093
चंद्र	26/06/2094

राहु 18 वर्ष	
26/06/2094	
26/06/2112	
राहु	08/03/2097
गुरु	01/08/2099
शनि	08/06/2102
बुध	26/12/2104
केतु	13/01/2106
शुक्र	13/01/2109
सूर्य	08/12/2109
चंद्र	09/06/2111
मंगल	26/06/2112

गुरु 16 वर्ष	
26/06/2112	
00/00/0000	
गुरु	14/08/2114
शनि	25/02/2117
बुध	03/06/2119
केतु	09/05/2120
शुक्र	27/05/2121
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 7 वर्ष 0 मा 28 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - चंद्र	
30/05/2019	
28/12/2020	
चंद्र	17/07/2019
मंगल	19/08/2019
राहु	14/11/2019
गुरु	30/01/2020
शनि	01/05/2020
बुध	22/07/2020
केतु	25/08/2020
शुक्र	29/11/2020
सूर्य	28/12/2020

शनि - मंगल	
28/12/2020	
06/02/2022	
मंगल	20/01/2021
राहु	22/03/2021
गुरु	15/05/2021
शनि	18/07/2021
बुध	14/09/2021
केतु	07/10/2021
शुक्र	14/12/2021
सूर्य	03/01/2022
चंद्र	06/02/2022

शनि - राहु	
06/02/2022	
13/12/2024	
राहु	12/07/2022
गुरु	28/11/2022
शनि	11/05/2023
बुध	06/10/2023
केतु	06/12/2023
शुक्र	27/05/2024
सूर्य	18/07/2024
चंद्र	13/10/2024
मंगल	13/12/2024

शनि - गुरु	
13/12/2024	
26/06/2027	
गुरु	15/04/2025
शनि	09/09/2025
बुध	18/01/2026
केतु	13/03/2026
शुक्र	14/08/2026
सूर्य	29/09/2026
चंद्र	15/12/2026
मंगल	07/02/2027
राहु	26/06/2027

बुध - बुध	
26/06/2027	
22/11/2029	
बुध	29/10/2027
केतु	19/12/2027
शुक्र	14/05/2028
सूर्य	26/06/2028
चंद्र	08/09/2028
मंगल	29/10/2028
राहु	10/03/2029
गुरु	05/07/2029
शनि	22/11/2029

बुध - केतु	
22/11/2029	
19/11/2030	
केतु	13/12/2029
शुक्र	11/02/2030
सूर्य	01/03/2030
चंद्र	31/03/2030
मंगल	22/04/2030
राहु	15/06/2030
गुरु	02/08/2030
शनि	29/09/2030
बुध	19/11/2030

बुध - शुक्र	
19/11/2030	
19/09/2033	
शुक्र	10/05/2031
सूर्य	01/07/2031
चंद्र	25/09/2031
मंगल	25/11/2031
राहु	28/04/2032
गुरु	13/09/2032
शनि	24/02/2033
बुध	20/07/2033
केतु	19/09/2033

बुध - सूर्य	
19/09/2033	
26/07/2034	
सूर्य	04/10/2033
चंद्र	30/10/2033
मंगल	17/11/2033
राहु	03/01/2034
गुरु	13/02/2034
शनि	03/04/2034
बुध	17/05/2034
केतु	04/06/2034
शुक्र	26/07/2034

बुध - चंद्र	
26/07/2034	
26/12/2035	
चंद्र	07/09/2034
मंगल	07/10/2034
राहु	24/12/2034
गुरु	03/03/2035
शनि	24/05/2035
बुध	05/08/2035
केतु	04/09/2035
शुक्र	30/11/2035
सूर्य	26/12/2035

बुध - मंगल	
26/12/2035	
22/12/2036	
मंगल	16/01/2036
राहु	10/03/2036
गुरु	27/04/2036
शनि	24/06/2036
बुध	14/08/2036
केतु	04/09/2036
शुक्र	04/11/2036
सूर्य	22/11/2036
चंद्र	22/12/2036

बुध - राहु	
22/12/2036	
11/07/2039	
राहु	11/05/2037
गुरु	12/09/2037
शनि	06/02/2038
बुध	18/06/2038
केतु	11/08/2038
शुक्र	14/01/2039
सूर्य	01/03/2039
चंद्र	18/05/2039
मंगल	11/07/2039

बुध - गुरु	
11/07/2039	
16/10/2041	
गुरु	30/10/2039
शनि	09/03/2040
बुध	04/07/2040
केतु	21/08/2040
शुक्र	06/01/2041
सूर्य	17/02/2041
चंद्र	27/04/2041
मंगल	14/06/2041
राहु	16/10/2041

बुध - शनि	
16/10/2041	
25/06/2044	
शनि	21/03/2042
बुध	07/08/2042
केतु	03/10/2042
शुक्र	16/03/2043
सूर्य	04/05/2043
चंद्र	25/07/2043
मंगल	21/09/2043
राहु	15/02/2044
गुरु	25/06/2044

केतु - केतु	
25/06/2044	
21/11/2044	
केतु	04/07/2044
शुक्र	29/07/2044
सूर्य	05/08/2044
चंद्र	18/08/2044
मंगल	26/08/2044
राहु	18/09/2044
गुरु	08/10/2044
शनि	31/10/2044
बुध	21/11/2044

केतु - शुक्र	
21/11/2044	
21/01/2046	
शुक्र	31/01/2045
सूर्य	22/02/2045
चंद्र	29/03/2045
मंगल	23/04/2045
राहु	26/06/2045
गुरु	22/08/2045
शनि	28/10/2045
बुध	28/12/2045
केतु	21/01/2046

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - सूर्य	
21/01/2046	29/05/2046
सूर्य	28/01/2046
चंद्र	08/02/2046
मंगल	15/02/2046
राहु	06/03/2046
गुरु	23/03/2046
शनि	12/04/2046
बुध	01/05/2046
केतु	08/05/2046
शुक्र	29/05/2046

केतु - चंद्र	
29/05/2046	28/12/2046
चंद्र	16/06/2046
मंगल	29/06/2046
राहु	30/07/2046
गुरु	28/08/2046
शनि	01/10/2046
बुध	31/10/2046
केतु	12/11/2046
शुक्र	18/12/2046
सूर्य	28/12/2046

केतु - मंगल	
28/12/2046	27/05/2047
मंगल	06/01/2047
राहु	28/01/2047
गुरु	17/02/2047
शनि	13/03/2047
बुध	03/04/2047
केतु	12/04/2047
शुक्र	07/05/2047
सूर्य	14/05/2047
चंद्र	27/05/2047

केतु - राहु	
27/05/2047	13/06/2048
राहु	23/07/2047
गुरु	12/09/2047
शनि	12/11/2047
बुध	05/01/2048
केतु	28/01/2048
शुक्र	01/04/2048
सूर्य	20/04/2048
चंद्र	22/05/2048
मंगल	13/06/2048

केतु - गुरु	
13/06/2048	20/05/2049
गुरु	28/07/2048
शनि	20/09/2048
बुध	08/11/2048
केतु	28/11/2048
शुक्र	23/01/2049
सूर्य	10/02/2049
चंद्र	10/03/2049
मंगल	30/03/2049
राहु	20/05/2049

केतु - शनि	
20/05/2049	29/06/2050
शनि	23/07/2049
बुध	18/09/2049
केतु	12/10/2049
शुक्र	18/12/2049
सूर्य	08/01/2050
चंद्र	10/02/2050
मंगल	06/03/2050
राहु	06/05/2050
गुरु	29/06/2050

केतु - बुध	
29/06/2050	26/06/2051
बुध	19/08/2050
केतु	09/09/2050
शुक्र	09/11/2050
सूर्य	27/11/2050
चंद्र	27/12/2050
मंगल	17/01/2051
राहु	12/03/2051
गुरु	30/04/2051
शनि	26/06/2051

शुक्र - शुक्र	
26/06/2051	25/10/2054
शुक्र	15/01/2052
सूर्य	16/03/2052
चंद्र	25/06/2052
मंगल	04/09/2052
राहु	06/03/2053
गुरु	15/08/2053
शनि	24/02/2054
बुध	15/08/2054
केतु	25/10/2054

शुक्र - सूर्य	
25/10/2054	26/10/2055
सूर्य	13/11/2054
चंद्र	13/12/2054
मंगल	03/01/2055
राहु	27/02/2055
गुरु	17/04/2055
शनि	14/06/2055
बुध	05/08/2055
केतु	26/08/2055
शुक्र	26/10/2055

शुक्र - चंद्र	
26/10/2055	25/06/2057
चंद्र	15/12/2055
मंगल	20/01/2056
राहु	20/04/2056
गुरु	10/07/2056
शनि	15/10/2056
बुध	09/01/2057
केतु	14/02/2057
शुक्र	26/05/2057
सूर्य	25/06/2057

शुक्र - मंगल	
25/06/2057	26/08/2058
मंगल	20/07/2057
राहु	22/09/2057
गुरु	18/11/2057
शनि	25/01/2058
बुध	26/03/2058
केतु	20/04/2058
शुक्र	30/06/2058
सूर्य	21/07/2058
चंद्र	26/08/2058

शुक्र - राहु	
26/08/2058	25/08/2061
राहु	06/02/2059
गुरु	02/07/2059
शनि	23/12/2059
बुध	26/05/2060
केतु	29/07/2060
शुक्र	27/01/2061
सूर्य	23/03/2061
चंद्र	22/06/2061
मंगल	25/08/2061

शुक्र - गुरु	
25/08/2061	25/04/2064
गुरु	02/01/2062
शनि	05/06/2062
बुध	21/10/2062
केतु	17/12/2062
शुक्र	29/05/2063
सूर्य	16/07/2063
चंद्र	05/10/2063
मंगल	01/12/2063
राहु	25/04/2064

शुक्र - शनि	
25/04/2064	26/06/2067
शनि	25/10/2064
बुध	07/04/2065
केतु	14/06/2065
शुक्र	24/12/2065
सूर्य	19/02/2066
चंद्र	27/05/2066
मंगल	02/08/2066
राहु	23/01/2067
गुरु	26/06/2067

शुक्र - बुध	
26/06/2067	26/04/2070
बुध	20/11/2067
केतु	19/01/2068
शुक्र	09/07/2068
सूर्य	30/08/2068
चंद्र	24/11/2068
मंगल	24/01/2069
राहु	28/06/2069
गुरु	13/11/2069
शनि	26/04/2070